अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 46 पोर्ट ब्लेयर, शुक्रवार, 16 फरवरी 2024 web: www. and.n

निकोबारी जनजातीय किसानों के लिए एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

पोर्ट ब्लेयर, 15 फरवरी।

यहां के आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 7 से 9 फरवरी, 2024 के दौरान "निकोबारी जनजातीय किसानों के लिए कृषि बागवानी फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज और रोपण सामग्री" पर तीन दिवसीय एक्सपोज़र विजिट सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पोर्ट ब्लेयर में

आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. एकनाथ बी चाकुरकर द्वारा किया गया। उद्घाटन भाषण के दौरान, निदेशक ने सभी प्रशिक्षुओं से द्वीपीय कृषि के संदर्भ में कृषि बागवानी फसलों में नवीनतम गुणवत्ता वाले बीज और रोपण सामग्री को सीखकर कार्यक्रम से अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीज पैदा करने, फसल कटाई के बाद उनकी देखभाल और भंडारण के तरीकों पर जोर दिया। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. पूजा बोहरा ने प्रतिभागियों को सही मातृ पौधों के चयन और उनके प्रबंधन के महत्व के बारे में उन्मुख करने के लिए बागवानी फसलों के विभिन्न मातृ ब्लॉकों का एक क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया। इसके बाद, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अजीत वामन ने प्रशिक्षुओं को संस्थान की बागवानी पौधों के प्रसार इकाई में प्रसार के विभिन्न तरीकों पर व्यावहारिक अनुभव और प्रदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षुओं ने ब्लूम्सडेल फार्म छोलदारी का दौरा किया, जहां फार्म प्रबंधक ने उन्हें चावल और दालों में बीज उत्पादन और भंडारण तकनीकों, बोराड बेड फरो सिस्टम की उपयोगिता, फार्म मशीनरी के प्रकार और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षुओं ने सब्जी अनुसंधान ब्लॉकों का भी दौरा किया, जहां उन्हें सब्जी की खेती की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षुओं को सीपीघाट स्थित बागवानी अनुसंधान फार्म में ले जाया गया, जहां डॉ. अजीत वामन ने नारियल, सुपारी और मसालों की नर्सरी और उत्पादन तकनीक दिखाई। समापन कार्यक्रम में किसान–वैज्ञानिकों से बातचीत की गई, जिसमें आईसीएआर–सीआईएआरआइ के निदेशक और आयोजक टीम की उपस्थिति में जनजातीय किसानों द्वारा खेती में आने वाले मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसके बाद रोपण सामग्री और कृषि आदानों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन पाठ्यक्रम निदेशक और प्रधान वैज्ञानिक तथा बागवानी और फसल सुधार प्रभाग के प्रमुख (प्रभारी) डॉ. पी.के. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। लिटिल अंडमान के हरमिंदर बे के प्रथम प्रमुख श्री एंड्रयू मोसेस सहित दस जनजातीय किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।